Luk

Chapter 24

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

τῇ	δὲ	μιᾷ	τῶν	σαββάτων,	ὄρθρου	βαθέως,	ἐπὶ	τὸ	μνῆμα	ἦλθον,
उस-	और	पहले	के-	सब्बतों	भोर	गहरी	पर	उस-	कब्र	आईं
G3588	G1161	G1520	G3588	G4521	G3722	G0901	G1909	G3588	G3418	G2064

φέρουσαι	ἃ	ἡτοίμασαν	ἀρώματα,
लाती-हुईं	जो	तैयार-की-थीं	सुगंधियाँ
G5342	G3739	G2090	G0759

> सप्ताह के पहले दिन बहुत सवेरे ही वे स्त्रियाँ कब्र पर उस सुगंधित सामग्री को, जिसे उन्होंने तैयार किया था, लेकर आयीं।

2

εὗρον	δὲ	τὸν	λίθον	ἀποκεκυλισμένον	ἀπὸ	τοῦ	μνημείου.
पाया	और	वह-	पत्थर	लुढ़काया-हुआ	से	उस-	कब्र
G2147	G1161	G3588	G3037	G0617	G0575	G3588	G3419

> उन्हें कब्र पर से पत्थर लुढ़का हुआ मिला।

3

εἰσελθοῦσαι	δὲ,	οὐχ	εὗρον	τὸ	σῶμα	τοῦ	Κυρίου	Ἰησοῦ.
प्रवेश-करके	और	नहीं	पाया	वह-	शरीर	का-	प्रभु	यीशु
G1525	G1161	G3756	G2147	G3588	G4983	G3588	G2962	G2424

> सो वे भीतर चली गयीं किन्तु उन्हें वहाँ प्रभु यीशु का शव नहीं मिला।

4

καὶ	ἐγένετο	ἐν	τῷ	ἀπορεῖσθαι	αὐτὰς	περὶ	τούτου,	καὶ	ἰδοὺ,	ἄνδρες
और	हुआ	में	उस-	अचंभित-होना	उनका	विषय-में	इसके	और	देखो	पुरुष
G2532	G1096	G1722	G3588	G0639	G0846	G4012	G3778	G2532	G3708	G0435

δύο	ἐπέστησαν	αὐταῖς,	ἐν	ἐσθῆτι	ἀστραπτούσῃ.
दो	खड़े-हुए	उनके-पास	में	वस्त्र	चमकदार
G1417	G2186	G0846	G1722	G2066	G0797

> जब वे इस पर अभी उलझन में ही पड़ी थीं कि, उनके पास चमचमाते वस्त्र पहने दो व्यक्ति आ खड़े हुए।

5

ἐμφόβων	δὲ	γενομένων	αὐτῶν,	καὶ	κλινουσῶν	τὰ	πρόσωπα	εἰς	τὴν
डरी-हुईं	और	होते-हुए	उनके	और	झुकाती-हुईं	वे-	मुख	में	उस-
G1719	G1161	G1096	G0846	G2532	G2827	G3588	G4383	G1519	G3588

γῆν,	εἶπαν	πρὸς	αὐτάς,	Τί	ζητεῖτε	τὸν	ζῶντα	μετὰ	τῶν	νεκρῶν?
भूमि	कहा	से	उनसे	क्यों	ढूंढती-हो	उस-	जीवित-को	साथ	उन-	मुर्दों
G1093	G3004	G4314	G0846	G5101	G2212	G3588	G2198	G3326	G3588	G3498

> डर के मारे उन्होंने धरती की तरफ अपने मुँह लटकाये हुए थे। उन दो व्यक्तियों ने उनसे कहा, “जो जीवित है, उसे तुम मुर्दों के बीच क्यों ढूँढ रही हो?

6

οὐκ	ἔστιν	ὧδε,	ἀλλὰ	ἠγέρθη!	μνήσθητε	ὡς	ἐλάλησεν	ὑμῖν,	ἔτι	ὢν
नहीं	है	यहाँ	परंतु	उठाया-गया	याद-करो	कैसे	बोला-था	तुमसे	अभी	होते-हुए
G3756	G1510	G5602	G0235	G1453	G3403	G5613	G2980	G4771	G2089	G1510

ἐν	τῇ	Γαλιλαίᾳ,
में	उस-	गलील
G1722	G3588	G1056

> वह यहाँ नहीं है। वह जी उठा है। याद करो जब वह अभी गलील में ही था, उसने तुमसे क्या कहा था।

7 λέγων τὸν Υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου ὅτι, δεῖ παραδοθῆναι εἰς χεῖρας
कहकर उस- पुत्र-को का- मनुष्य कि अवश्य पकड़वाया-जाना में हाथों
G3004 G3588 G5207 G3588 G0444 G3754 G1163 G3860 G1519 G5495

ἀνθρώπων ἁμαρτωλῶν, καὶ σταυρωθῆναι, καὶ τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἀναστῆναι.
मनुष्यों पापी और क्रूस-पर-चढ़ाया-जाना और उस- तीसरे दिन जी-उठना
G0444 G0268 G2532 G4717 G2532 G3588 G5154 G2250 G0450

> उसने कहा था कि मनुष्य के पुत्र का पापियों के हाथों सौंपा जाना निश्चित है। फिर वह क्रूस पर चढ़ा दिया जायेगा और तीसरे दिन उसको फिर से जीवित कर देना निश्चित है।”

8 καὶ ἐμνήσθησαν τῶν ῥημάτων αὐτοῦ.
और याद-आया उनको- वचनों उसके
G2532 G3403 G3588 G4487 G0846

> तब उन स्त्रियों को उसके शब्द याद हो आये।

9 καὶ ὑποστρέψασαι ἀπὸ τοῦ μνημείου, ἀπήγγειλαν ταῦτα πάντα τοῖς ἕνδεκα,
और लौटकर से उस- कब्र बताया ये सब उन- ग्यारह
G2532 G5290 G0575 G3588 G3419 G0518 G3778 G3956 G3588 G1733

καὶ πᾶσιν τοῖς λοιποῖς.
और सब उन- बाकीयों-को
G2532 G3956 G3588 G3062

> वे कब्र से लौट आयीं और उन्होंने ये सब बातें उन ग्यारहों और अन्य सभी को बतायीं।

10 ἦσαν δὲ ἡ Μαγδαληνὴ Μαρία, καὶ Ἰωάννα, καὶ Μαρία ἡ Ἰακώβου,
थीं और वह- मगदलीनी मरियम और योआन्ना और मरियम वह- याकूब-की
G1510 G1161 G3588 G3094 G3137 G2532 G2489 G2532 G3137 G3588 G2385

καὶ αἱ λοιπαὶ σὺν αὐταῖς, ἔλεγον πρὸς τοὺς ἀποστόλους ταῦτα.
और जो- बाकीयाँ साथ उनके कहती-थीं से उन- प्रेरितों-को ये
G2532 G3588 G3062 G4862 G0846 G3004 G4314 G3588 G0652 G3778

> ये स्त्रियाँ थीं मरियम-मग्दलीनी, योअन्ना और याकूब की माता, मरियम। वे तथा उनके साथ की दूसरी स्त्रियाँ इन बातों को प्रेरितों से कहीं।

11 καὶ ἐφάνησαν ἐνώπιον αὐτῶν ὡσεὶ λῆρος τὰ ῥήματα ταῦτα, καὶ
और दिखाई-दीं सामने उनके जैसे बकवास वे- वचन ये और
G2532 G5316 G1799 G0846 G5616 G3026 G3588 G4487 G3778 G2532

ἠπίστουν αὐταῖς.
विश्वास-नहीं-करते-थे उनसे
G0569 G0846

> पर उनके शब्द प्रेरितों को व्यर्थ से जान पड़े। सो उन्होंने उनका विश्वास नहीं किया।

12 Ὁ δὲ Πέτρος, ἀναστὰς ἔδραμεν ἐπὶ τὸ μνημεῖον, καὶ παρακύψας,
वह- परंतु पतरस उठकर दौड़ा पर उस- कब्र और झाँककर
G3588 G1161 G4074 G0450 G5143 G1909 G3588 G3419 G2532 G3879

βλέπει τὰ ὀθόνια μόνα, καὶ ἀπῆλθεν, πρὸς αὐτὸν θαυμάζων τὸ
देखता-है वे- कपड़े अकेले और चला-गया में अपने-आप आश्चर्य-करता-हुआ उस-
G0991 G3588 G3608 G3441 G2532 G0565 G4314 G0848 G2296 G3588

γεγονός.
हुए-पर
G1096

> किन्तु पतरस खड़ा हुआ और कब्र की तरफ़ दौड़ आया। उसने नीचे झुक कर देखा पर उसे सन के उत्तम रेशमों से बने कफन के अतिरिक्त कुछ नहीं दिखाई दिया था। फिर अपने मन ही मन जो कुछ हुआ था, उस पर अचरज करता हुआ वह चला गया।

13 Καὶ ἰδοὺ, δύο ἐξ αὐτῶν, ἐν αὐτῇ τῇ ἡμέρᾳ, ἦσαν πορευόμενοι εἰς
और देखो दो में-से उनमें में उसी उस- दिन थे जाते-हुए में
G2532 G3708 G1417 G1537 G0846 G1722 G0846 G3588 G2250 G1510 G4198 G1519

κώμην ἀπέχουσαν, σταδίους ἑξήκοντα ἀπὸ Ἰερουσαλήμ, ᾗ ὄνομα Ἐμμαοῦς;
गाँव दूर मील साठ से यरूशलेम जिसका नाम इम्माऊस
G2968 G0568 G4712 G1835 G0575 G2419 G3739 G3686 G1695

> उसी दिन उसके शिष्यों में से दो, यरूशलेम से कोई सात मील दूर बसे इम्माऊस नाम के गाँव को जा रहे थे।

14 καὶ αὐτοὶ ὡμίλουν πρὸς ἀλλήλους περὶ πάντων τῶν συμβεβηκότων
और वे बातचीत-करते-थे में एक-दूसरे विषय-में सब उन- हुई
G2532 G0846 G3656 G4314 G0240 G4012 G3956 G3588 G4819

τούτων.
इन
G3778

> जो घटनाएँ घटी थीं, उन सब पर वे आपस में बातचीत कर रहे थे।

15 καὶ ἐγένετο, ἐν τῷ ὁμιλεῖν αὐτοὺς καὶ συζητεῖν, καὶ αὐτὸς Ἰησοῦς,
और हुआ में उस- बातचीत-करना उनका और पूछना और वह यीशु
G2532 G1096 G1722 G3588 G3656 G0846 G2532 G4802 G2532 G0846 G2424

ἐγγίσας, συνεπορεύετο αὐτοῖς;
निकट-आकर साथ-चलता-रहा उनके-साथ
G1448 G4848 G0846

> जब वे उन बातों पर चर्चा और सोच विचार कर रहे थे तभी स्वयं यीशु वहाँ आ उपस्थित हुआ और उनके साथ-साथ चलने लगा।

16 οἱ δὲ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν ἐκρατοῦντο τοῦ μὴ ἐπιγνῶναι αὐτόν.
वे- परंतु आँखें उनकी रोकी-जाती-थीं के- न पहचानने-को उसे
G3588 G1161 G3788 G0846 G2902 G3588 G3361 G1921 G0846

> (किन्तु उन्हें उसे पहचानने नहीं दिया गया।)

17 εἶπεν δὲ πρὸς αὐτούς, Τίνες οἱ λόγοι οὗτοι οὓς ἀντιβάλλετε πρὸς
कहा और से उनसे कौन-सी वे- बातें ये जो आदान-प्रदान-करते-हो में
G3004 G1161 G4314 G0846 G5101 G3588 G3056 G3778 G3739 G0474 G4314

ἀλλήλους περιπατοῦντες? καὶ ἐστάθησαν, σκυθρωποί?
एक-दूसरे चलते-हुए और ठहर-गए उदास
G0240 G4043 G2532 G2476 G4659

> यीशु ने उनसे कहा, “चलते चलते एक दूसरे से ये तुम किन बातों की चर्चा कर रहे हो?” वे चलते हुए रुक गये। वे बड़े दुखी दिखाई दे रहे थे।

18 ἀποκριθεὶς δὲ, εἷς ὀνόματι Κλεοπᾶς εἶπεν πρὸς αὐτόν, Σὺ μόνος
उत्तर-देकर और एक-ने नाम-से क्लियोपास कहा से उससे तू अकेला
G0611 G1161 G1520 G3686 G2810 G3004 G4314 G0846 G4771 G3441

παροικεῖς Ἰερουσαλὴμ? καὶ οὐκ ἔγνως τὰ γενόμενα ἐν αὐτῇ, ἐν ταῖς
परदेशी-है यरूशलेम और नहीं जाना वे- हुई में उसमें में उन-
G3939 G2419 G2532 G3756 G1097 G3588 G1096 G1722 G0846 G1722 G3588

ἡμέραις ταύταις?
दिनों इन
G2250 G3778

> उनमें से किलयुपास नाम के एक व्यक्ति ने उससे कहा, “यरूशलेम में रहने वाला तू अकेला ही ऐसा व्यक्ति होगा जो पिछले दिनों जो बातें घटी हैं, उन्हे नहीं जानता।”

19 καὶ εἶπεν αὐτοῖς, Ποῖα? οἱ δὲ εἶπαν αὐτῷ, Τὰ περὶ Ἰησοῦ τοῦ
और कहा उनसे कौन-सी उन्होंने- और कहा उससे वे- विषय-में यीशु उस-
G2532 G3004 G0846 G4169 G3588 G1161 G3004 G0846 G3588 G4012 G2424 G3588

Ναζαρηνοῦ, ὃς ἐγένετο ἀνὴρ, προφήτης δυνατὸς ἐν ἔργῳ, καὶ λόγῳ,
नासरी जो था पुरुष भविष्यवक्ता सामर्थी में कार्य और वचन
G3479 G3739 G1096 G0435 G4396 G1415 G1722 G2041 G2532 G3056

ἐναντίον τοῦ Θεοῦ καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ;
सामने उस- परमेश्वर और सब उस- लोगों
G1726 G3588 G2316 G2532 G3956 G3588 G2992

> यीशु ने उनसे पूछा, "कौन सी बातें?" उन्होंनें उससे कहा, "सब नासरी यीशु के बारे में हैं। यह एक ऐसा व्यक्ति था जिसने जो किया और कहा वह परमेश्वर और सभी लोगों के सामने यह दिखा दिया कि वह एक महान् नबी था।

20 ὅπως τε παρέδωκαν αὐτὸν οἱ ἀρχιερεῖς, καὶ οἱ ἄρχοντες ἡμῶν, εἰς
कैसे और पकड़वाया उसे उन- महायाजकों-ने और उन- शासकों-ने हमारे में
G3704 G5037 G3860 G0846 G3588 G0749 G2532 G3588 G0758 G1473 G1519

κρίμα θανάτου, καὶ ἐσταύρωσαν αὐτόν.
दंड मृत्यु-के और क्रूस-पर-चढ़ाया उसे
G2917 G2288 G2532 G4717 G0846

> और हम इस बारें में बातें कर रहे थे कि हमारे प्रमुख याजकों और शासकों ने उसे कैसे मृत्यु दण्ड देने के लिए सौंप दिया। और उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ा दिया।

21 ἡμεῖς δὲ ἠλπίζομεν ὅτι αὐτός ἐστιν, ὁ μέλλων λυτροῦσθαι τὸν
हम-ने परंतु आशा-करते-थे कि वह है जो- करने-वाला-था छुड़ाना उस-
G1473 G1161 G1679 G3754 G0846 G1510 G3588 G3195 G3084 G3588

Ἰσραήλ. ἀλλά γε καὶ σὺν πᾶσιν τούτοις, τρίτην ταύτην ἡμέραν ἄγει,
इस्राएल-को परंतु वास्तव-में भी साथ सब इनके तीसरा यह दिन लाता-है
G2474 G0235 G1065 G2532 G4862 G3956 G3778 G5154 G3778 G2250 G0071

ἀφ' οὗ ταῦτα ἐγένετο.
जब-से कि ये हुईं
G0575 G3739 G3778 G1096

> हम आशा रखते थे कि यही वह था जो इस्राएल को मुक्त कराता। "और इस सब कुछ के अतिरिक्त इस घटना को घटे यह तीसरा दिन है।

22 ἀλλὰ καὶ γυναῖκές τινες ἐξ ἡμῶν ἐξέστησαν ἡμᾶς. γενόμεναι ὀρθριναὶ
परंतु भी स्त्रियों-ने किसीने में-से हमारे चकित-कर-दिया हमें जाकर भोर
G0235 G2532 G1135 G5100 G1537 G1473 G1839 G1473 G1096 G3720

ἐπὶ τὸ μνημεῖον,
पर उस- कब्र
G1909 G3588 G3419

> और हमारी टोली की कुछ स्त्रियों ने हमें अचम्भे में डाल दिया है। आज भोर के तड़के वे कब्र पर गयीं।

23 καὶ μὴ εὑροῦσαι τὸ σῶμα αὐτοῦ, ἦλθον λέγουσαι καὶ ὀπτασίαν
और न पाकर वह- शरीर उसका आईं कहती-हुईं भी दर्शन
G2532 G3361 G2147 G3588 G4983 G0846 G2064 G3004 G2532 G3701

ἀγγέλων ἑωρακέναι, οἳ λέγουσιν αὐτὸν ζῆν.
स्वर्गदूतों-का देखा-होना जो कहते-हैं उसे जीवित-है
G0032 G3708 G3739 G3004 G0846 G2198

> किन्तु उन्हें, उसका शव नहीं मिला। वे लौटीं और हमें बताया कि उन्होंने स्वर्गदूतों का दर्शन पाया है जिन्होंने कहा था कि वह जीवित है।

24 καὶ ἀπῆλθόν τινες τῶν σὺν ἡμῖν ἐπὶ τὸ μνημεῖον, καὶ εὗρον οὕτως,
और गए किसीने उन- साथ हमारे पर उस- कब्र और पाया वैसे-ही
G2532 G0565 G5100 G3588 G4862 G1473 G1909 G3588 G3419 G2532 G2147 G3779

καθὼς καὶ αἱ γυναῖκες εἶπον; αὐτὸν δὲ οὐκ εἶδον.
जैसा भी वे- स्त्रियों-ने कहा-था उसे परंतु नहीं देखा
G2531 G2532 G3588 G1135 G3004 G0846 G1161 G3756 G3708

फिर हम में से कुछ कब्र पर गये और जैसा स्त्रियों ने बताया था, उन्होंने वहाँ वैसा ही पाया। उन्होंने उसे नहीं देखा।”

25 καὶ αὐτὸς εἶπεν πρὸς αὐτούς, Ὦ ἀνόητοι καὶ βραδεῖς τῇ καρδίᾳ τοῦ
और वह कहा से उनसे हे निर्बुद्धियो और मंदे उस- हृदय-से के-
G2532 G0846 G3004 G4314 G0846 G5599 G0453 G2532 G1021 G3588 G2588 G3588

πιστεύειν ἐπὶ πᾶσιν οἷς ἐλάλησαν οἱ προφῆται.
विश्वास-करने-में पर सब जो बोले वे- भविष्यवक्ता
G4100 G1909 G3956 G3739 G2980 G3588 G4396

तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम कितने मूर्ख हो और नबियों ने जो कुछ कहा, उस पर विश्वास करने में कितने मंद हो।

26 οὐχὶ ταῦτα ἔδει παθεῖν τὸν Χριστὸν? καὶ εἰσελθεῖν εἰς τὴν δόξαν
क्या-नहीं ये आवश्यक-था दुख-उठाना उस- मसीह-को और प्रवेश-करना में उस- महिमा
G3780 G3778 G1163 G3958 G3588 G5547 G2532 G1525 G1519 G3588 G1391

αὐτοῦ?
अपनी
G0846

क्या मसीह के लिये यह आवश्यक नहीं था कि वह इन यातनाओं को भोगे और इस प्रकार अपनी महिमा में प्रवेश करे?”

27 καὶ ἀρξάμενος ἀπὸ Μωϋσέως καὶ ἀπὸ πάντων τῶν προφητῶν,
और शुरू-करके से मूसा और से सब उन- भविष्यवक्ताओं
G2532 G0756 G0575 G3475 G2532 G0575 G3956 G3588 G4396

διερμήνευσεν αὐτοῖς ἐν πάσαις ταῖς γραφαῖς τὰ περὶ ἑαυτοῦ.
समझाया उन्हें में सब उन- शास्त्रों-में वे- विषय-में अपने-आप
G1329 G0846 G1722 G3956 G3588 G1124 G3588 G4012 G1438

और इस तरह मूसा से प्रारम्भ करके सब नबियों तक और समूचे शास्त्रों में उसके बारे में जो कहा गया था, उसने उसकी व्याख्या करके उन्हें समझाया।

28 Καὶ ἤγγισαν εἰς τὴν κώμην οὗ ἐπορεύοντο, καὶ αὐτὸς προσεποιήσατο
और निकट-आए में उस- गाँव जहाँ जाते-थे और वह दिखावा-करता-था
G2532 G1448 G1519 G3588 G2968 G3757 G4198 G2532 G0846 G4364

πορρώτερον πορεύεσθαι.
और-आगे जाने-को
G4206 G4198

वे जब उस गाँव के पास आये, जहाँ जा रहे थे, यीशु ने ऐसे बर्ताव किया, जैसे उसे आगे जाना हो।

29 καὶ παρεβιάσαντο αὐτὸν, λέγοντες, Μεῖνον μεθ’ ἡμῶν, ὅτι πρὸς ἑσπέραν
और जबरदस्ती-की उससे कहकर ठहर साथ हमारे कि निकट शाम
G2532 G3849 G0846 G3004 G3306 G3326 G1473 G3754 G4314 G2073

ἐστὶν, καὶ κέκλικεν ἤδη ἡ ἡμέρα. καὶ εἰσῆλθεν τοῦ μεῖναι σὺν αὐτοῖς.
है और ढल-चुका-है अब वह- दिन और प्रवेश-किया के- ठहरने-को साथ उनके
G1510 G2532 G2827 G2235 G3588 G2250 G2532 G1525 G3588 G3306 G4862 G0846

किन्तु उन्होंने उससे बलपूर्वक आग्रह करते हूए कहा, “हमारे साथ रुक जा क्योंकि लगभग साँझ हो चुकी है और अब दिन ढल चुका है।” सो वह उनके साथ ठहरने भीतर आ गया।

30 καὶ ἐγένετο ἐν τῷ κατακλιθῆναι αὐτὸν μετ’ αὐτῶν, λαβὼν τὸν ἄρτον
और हुआ में उस- बैठना उसका साथ उनके लेकर वह- रोटी
G2532 G1096 G1722 G3588 G2625 G0846 G3326 G0846 G2983 G3588 G0740

εὐλόγησεν, καὶ κλάσας, ἐπεδίδου αὐτοῖς.
आशीष-दी और तोड़कर देता-था उन्हें
G2127 G2532 G2806 G1929 G0846

> जब उनके साथ वह खाने की मेज पर था तभी उसने रोटी उठाई और धन्यवाद किया। फिर उसे तोड़ कर जब वह उन्हें दे रहा था

31 αὐτῶν δὲ διηνοίχθησαν οἱ ὀφθαλμοὶ, καὶ ἐπέγνωσαν αὐτόν. καὶ αὐτὸς
उनके और खोली-गईं वे- आँखें और पहचाना उसे और वह
G0846 G1161 G1272 G3588 G3788 G2532 G1921 G0846 G2532 G0846

ἄφαντος ἐγένετο ἀπ’ αὐτῶν.
अदृश्य हो-गया से उनसे
G0855 G1096 G0575 G0846

> तभी उनकी आँखे खोल दी गयीं और उन्होंने उसे पहचान लिया। किन्तु वह उनके सामने से अदृश्य हो गया।

32 καὶ εἶπαν πρὸς ἀλλήλους, Οὐχὶ ἡ καρδία ἡμῶν καιομένη ἦν ἐν
और कहा में एक-दूसरे क्या-नहीं वह- हृदय हमारा जलता-हुआ था में
G2532 G3004 G4314 G0240 G3780 G3588 G2588 G1473 G2545 G1510 G1722

ἡμῖν, ὡς ἐλάλει ἡμῖν ἐν τῇ ὁδῷ, ὡς διήνοιγεν ἡμῖν τὰς γραφάς?
हम-में जब बोलता-था हमसे में उस- राह जब खोलता-था हमें वे- शास्त्र
G1473 G5613 G2980 G1473 G1722 G3588 G3598 G5613 G1272 G1473 G3588 G1124

> फिर वे आपस में बोले, “राह में जब वह हमसे बातें कर रहा था और हमें शास्त्रों को समझा रहा था तो क्या हमारे हृदय के भीतर आग सी नहीं भड़क उठी थी?”

33 Καὶ ἀναστάντες αὐτῇ τῇ ὥρᾳ, ὑπέστρεψαν εἰς Ἰερουσαλήμ, καὶ εὗρον
और उठकर उसी उस- घड़ी लौटे में यरूशलेम और पाया
G2532 G0450 G0846 G3588 G5610 G5290 G1519 G2419 G2532 G2147

ἠθροισμένους τοὺς ἕνδεκα καὶ τοὺς σὺν αὐτοῖς,
इकट्ठे-हुए उन- ग्यारह और उन्हें- साथ उनके
G4867 G3588 G1733 G2532 G3588 G4862 G0846

> फिर वे तुरंत खड़े हुए और वापस यरूशलेम को चल दिये। वहाँ उन्हें ग्यारहों प्रेरित और दूसरे लोग उनके साथ इकट्ठे मिले,

34 λέγοντας, ὅτι ὄντως, ἠγέρθη ὁ Κύριος, καὶ ὤφθη Σίμωνι.
कहते-हुए कि सचमुच उठाया-गया वह- प्रभु और दिखाई-दिया शमौन-को
G3004 G3754 G3689 G1453 G3588 G2962 G2532 G3708 G4613

> जो कह रहे थे, “हे प्रभु, वास्तव में जी उठा है। उसने शमौन को दर्शन दिया है।”

35 καὶ αὐτοὶ ἐξηγοῦντο τὰ ἐν τῇ ὁδῷ, καὶ ὡς ἐγνώσθη αὐτοῖς ἐν
और वे वर्णन-करते-थे वे- में उस- राह और कैसे जाना-गया उन्हें में
G2532 G0846 G1834 G3588 G1722 G3588 G3598 G2532 G5613 G1097 G0846 G1722

τῇ κλάσει τοῦ ἄρτου.
उस- तोड़ने की- रोटी
G3588 G2800 G3588 G0740

> फिर उन दोनों ने राह में जो घटा था, उसका ब्योरा दिया और बताया कि जब उसने रोटी के टुकड़े लिये थे, तब उन्होंने यीशु को कैसे पहचान लिया था।

36 Ταῦτα δὲ αὐτῶν λαλούντων, αὐτὸς ἔστη ἐν μέσῳ αὐτῶν καὶ λέγει
ये परंतु उनके बोलते-हुए वह खड़ा-हुआ में बीच उनके और कहता-है
G3778 G1161 G0846 G2980 G0846 G2476 G1722 G3319 G0846 G2532 G3004

αὐτοῖς, Εἰρήνη ὑμῖν.
उनसे शांति तुम्हें
G0846 G1515 G4771

अभी वे उन्हें ये बातें बता ही रहे थे कि वह स्वयं उनके बीच आ खड़ा हुआ और उनसे बोला, "तुम्हें शान्ति मिले।"

37 πτοηθέντες δὲ, καὶ ἔμφοβοι γενόμενοι, ἐδόκουν πνεῦμα θεωρεῖν.
डरकर और और भयभीत होकर समझते-थे आत्मा देखना
G4422 G1161 G2532 G1719 G1096 G1380 G4151 G2334

किन्तु वे चौंक कर भयभीत हो उठे। उन्होंने सोचा जैसे वे कोई भूत देख रहे हों।

38 καὶ εἶπεν αὐτοῖς, Τί τεταραγμένοι ἐστέ? καὶ διὰ τί διαλογισμοὶ
और कहा उनसे क्यों घबराए-हुए हो और क्यों क्यों विचार
G2532 G3004 G0846 G5101 G5015 G1510 G2532 G1223 G5101 G1261

ἀναβαίνουσιν ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν?
उठते-हैं में उस- हृदय अपने
G0305 G1722 G3588 G2588 G4771

किन्तु वह उनसे बोला, "तुम ऐसे घबराये हुए क्यों हो? तुम्हारे मनों में संदेह क्यों उठ रहे हैं?

39 ἴδετε τὰς χεῖράς μου καὶ τοὺς πόδας μου, ὅτι ἐγώ εἰμι αὐτός.
देखो वे- हाथ मेरे और वे- पैर मेरे, कि मैं हूं वही
G3708 G3588 G5495 G1473 G2532 G3588 G4228 G1473 G3754 G1473 G1510 G0846

ψηλαφήσατέ με καὶ ἴδετε, ὅτι πνεῦμα σάρκα καὶ ὀστέα οὐκ ἔχει, καθὼς
छूओ मुझे और देखो कि आत्मा मांस और हड्डियाँ नहीं रखती जैसा
G5584 G1473 G2532 G3708 G3754 G4151 G4561 G2532 G3747 G3756 G2192 G2531

ἐμὲ θεωρεῖτε ἔχοντα.
मुझे देखते-हो रखते-हुए
G1473 G2334 G2192

मेरे हाथों और मेरे पैरों को देखो। मुझे छुओ, और देखो कि किसी भूत के माँस और हड्डियाँ नहीं होतीं और जैसा कि तुम देख रहे हो कि, मेरे वे हैं।"

40 καὶ τοῦτο εἰπὼν, ἔδειξεν αὐτοῖς τὰς χεῖρας καὶ τοὺς πόδας.
और यह कहकर दिखाए उन्हें वे- हाथ और वे- पैर
G2532 G3778 G3004 G1166 G0846 G3588 G5495 G2532 G3588 G4228

यह कहते हुए उसने हाथ और पैर उन्हें दिखाये।

41 ἔτι δὲ, ἀπιστούντων αὐτῶν ἀπὸ τῆς χαρᾶς καὶ θαυμαζόντων, εἶπεν
अभी और विश्वास-नहीं-करते-हुए उनके से उस- आनंद और आश्चर्य-करते-हुए कहा
G2089 G1161 G0569 G0846 G0575 G3588 G5479 G2532 G2296 G3004

αὐτοῖς, Ἔχετέ τι βρώσιμον ἐνθάδε?
उनसे रखते-हो कुछ खाने-योग्य यहाँ
G0846 G2192 G5100 G1034 G1759

किन्तु अपने आनन्द के कारण वे अब भी इस पर विश्वास नहीं कर सके। वे भौंचक्के थे सो यीशु ने उनसे कहा, "क्या तुम्हारे पास कुछ खाने को है?"

42 οἱ δὲ ἐπέδωκαν αὐτῷ ἰχθύος ὀπτοῦ μέρος.
उन्होंने- और दिया उसे मछली-का पकाए-हुए टुकड़ा
G3588 G1161 G1929 G0846 G2486 G3702 G3313

उन्होंने पकाई हुई मछली का एक टुकड़ा उसे दिया।

43	καὶ	λαβὼν,	ἐνώπιον	αὐτῶν	ἔφαγεν.
	और	लेकर	सामने	उनके	खाया
	G2532	G2983	G1799	G0846	G5315

> और उसने उसे लेकर उनके सामने ही खाया।

44	Εἶπεν	δὲ	πρὸς	αὐτούς,	Οὗτοι	οἱ	λόγοι	μου,	οὓς	ἐλάλησα	πρὸς
	कहा	और	से	उनसे	ये	वे-	वचन	मेरे	जो	बोला	से
	G3004	G1161	G4314	G0846	G3778	G3588	G3056	G1473	G3739	G2980	G4314

ὑμᾶς	ἔτι	ὢν	σὺν	ὑμῖν,	ὅτι	δεῖ	πληρωθῆναι	πάντα	τὰ	γεγραμμένα	ἐν
तुमसे	अभी	होते-हुए	साथ	तुम्हारे	कि	अवश्य	पूरा-होना	सब	वे-	लिखे-हुए	में
G4771	G2089	G1510	G4862	G4771	G3754	G1163	G4137	G3956	G3588	G1125	G1722

τῷ	νόμῳ	Μωϋσέως,	καὶ	τοῖς	προφήταις	καὶ	ψαλμοῖς	περὶ	ἐμοῦ.
उस-	व्यवस्था	मूसा	और	उन-	भविष्यवक्ताओं	और	भजनों	विषय-में	मेरे
G3588	G3551	G3475	G2532	G3588	G4396	G2532	G5568	G4012	G1473

> फिर उसने उनसे कहा, “ये बातें वे हैं जो मैंने तुमसे तब कही थीं, जब मैं तुम्हारे साथ था। हर वह बात जो मेरे विषय में मूसा की व्यवस्था में नबियों तथा भजनों की पुस्तक में लिखा है, पूरी होनी ही हैं।”

45	τότε	διήνοιξεν	αὐτῶν	τὸν	νοῦν	τοῦ	συνιέναι	τὰς	γραφάς,
	तब	खोला	उनका	वह-	मन	के-	समझने-को	वे-	शास्त्र
	G5119	G1272	G0846	G3588	G3563	G3588	G4920	G3588	G1124

> फिर पवित्र शास्त्रों को समझने केलिये उसने उनकी बुद्धि के द्वार खोल दिये।

46	καὶ	εἶπεν	αὐτοῖς,	ὅτι	οὕτως	γέγραπται,	παθεῖν	τὸν	Χριστὸν,	καὶ
	और	कहा	उनसे	कि	ऐसे	लिखा-है	दुख-उठाना	उस-	मसीह-का	और
	G2532	G3004	G0846	G3754	G3779	G1125	G3958	G3588	G5547	G2532

ἀναστῆναι	ἐκ	νεκρῶν	τῇ	τρίτῃ	ἡμέρᾳ;	
जी-उठना	से	मुर्दों	उस-	तीसरे	दिन	
G0450	G1537	G3498	G3588	G5154	G2250	

> और उसने उनसे कहा, “यह वही है, जो लिखा है कि मसीह यातना भोगेगा और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा।

47	καὶ	κηρυχθῆναι	ἐπὶ	τῷ	ὀνόματι	αὐτοῦ	μετάνοιαν	εἰς	ἄφεσιν	ἁμαρτιῶν,
	और	प्रचार-किया-जाना	पर	उस-	नाम	उसके	मन-फिराव	में	क्षमा	पापों-की
	G2532	G2784	G1909	G3588	G3686	G0846	G3341	G1519	G0859	G0266

εἰς	πάντα	τὰ	ἔθνη,	ἀρξάμενοι	ἀπὸ	Ἰερουσαλήμ.	
में	सब	उन-	जातियों	शुरू-करके	से	यरूशलेम	
G1519	G3956	G3588	G1484	G0756	G0575	G2419	

> और पापों की क्षमा के लिए मनफिराव का यह संदेश यरूशलेम से आरंभ होकर सब देशों में प्रचारित किया जाएगा। तुम इन बातों के साक्षी हो।

48	ὑμεῖς	‹ἐστε›	μάρτυρες	τούτων.
	तुम	हो	गवाह	इनके
	G4771	G1510	G3144	G3778

> और पापों की क्षमा के लिए मनफिराव का यह संदेश यरूशलेम से आरंभ होकर सब देशों में प्रचारित किया जाएगा। तुम इन बातों के साक्षी हो।

49 καὶ ἰδοὺ, ἐγὼ ἐξαποστέλλω τὴν ἐπαγγελίαν τοῦ Πατρός μου ἐφ’ ὑμᾶς;
और देखो मैं भेजता-हूँ वह- प्रतिज्ञा के- पिता मेरे पर तुम-पर
G2532 G3708 G1473 G0649 G3588 G1860 G3588 G3962 G1473 G1909 G4771

ὑμεῖς δὲ καθίσατε ἐν τῇ πόλει, ἕως οὗ ἐνδύσησθε ἐξ ὕψους
तुम परंतु बैठो में उस- नगर जब-तक कि पहन-जाओ से ऊँचाई
G4771 G1161 G2523 G1722 G3588 G4172 G2193 G3739 G1746 G1537 G5311

δύναμιν.
सामर्थ्य
G1411

> और अब मेरे परम पिता ने मुझसे जो प्रतिज्ञा की है, उसे मैं तुम्हारे लिये भेजूँगा। किन्तु तुम्हें इस नगर में उस समय तक ठहरे रहना होगा, जब तक तुम स्वर्ग की शक्ति से युक्त न हो जाओ।”

50 Ἐξήγαγεν δὲ αὐτοὺς [ἔξω], ἕως πρὸς Βηθανίαν, καὶ ἐπάρας τὰς χεῖρας
निकाला और उन्हें बाहर तक पास बैतनिय्याह और उठाकर वे- हाथ
G1806 G1161 G0846 G1854 G2193 G4314 G0963 G2532 G1869 G3588 G5495

αὐτοῦ, εὐλόγησεν αὐτούς.
अपने आशीष-दी उन्हें
G0846 G2127 G0846

> यीशु फिर उन्हें बैतनिय्याह तक बाहर ले गया। और उसने हाथ उठा कर उन्हें आशीर्वाद दिया।

51 καὶ ἐγένετο ἐν τῷ εὐλογεῖν αὐτὸν αὐτοὺς, διέστη ἀπ’ αὐτῶν καὶ,
और हुआ में उस- आशीष-देना उसका उनको जुदा-हो-गया से उनसे और
G2532 G1096 G1722 G3588 G2127 G0846 G0846 G1339 G0575 G0846 G2532

ἀνεφέρετο εἰς τὸν οὐρανόν.
उठाया-जाता-था में उस- स्वर्ग
G0399 G1519 G3588 G3772

> उन्हें आशीर्वाद देते देते ही उसने उन्हें छोड़ दिया और फिर उसे स्वर्ग में उठा लिया गया।

52 καὶ αὐτοὶ προσκυνήσαντες αὐτὸν, ὑπέστρεψαν εἰς Ἰερουσαλὴμ μετὰ χαρᾶς
और वे दंडवत-करके उसको लौटे में यरूशलेम साथ आनंद
G2532 G0846 G4352 G0846 G5290 G1519 G2419 G3326 G5479

μεγάλης.
बड़े
G3173

> तब उन्होंने उसकी आराधना की और असीम आनन्द के साथ वे यरूशलेम लौट आये।

53 καὶ ἦσαν διὰ παντὸς ἐν τῷ ἱερῷ, εὐλογοῦντες τὸν Θεόν.
और थे हरदम सदा में उस- मंदिर आशीष-देते-हुए उस- परमेश्वर-को
G2532 G1510 G1223 G3956 G1722 G3588 G2411 G2127 G3588 G2316

> और मन्दिर में परमेश्वर की स्तुति करते हुए वे अपना समय बिताने लगे।